राजा मानसिंह तोमर संगीत एवं कला विश्वविद्यालय ग्वालियर (म.प्र.)
बी.पी.ए. प्रथम वर्ष नियमित पाठ्यक्रम
(सहायक विषय/इलेक्टिव ओपन सब्जेक्ट)
शास्त्रीय संगीतगायन :–प्रदर्शन एवं मौखिक
2021–2022
नियमित

समय :–3 घण्टे पूर्णांक :– 80

मौखिक :–

इकाई–1

संगीत, नाद, श्रुति, स्वर (षुद्ध, विकृत, चल, अचल) सप्तक (मंद्र, मध्य, तार,), वर्ण, अलंकार (पल्टा), बोल (मिजराब/जवा के बोल) प्रहार (आकर्ष, अपकर्ष) की जानकारी।दस थाटों के नाम व स्वर, लय (विलम्बित, मध्य, द्रुत), ठाह, मात्रा, ताल, विभाग, सम, ताली, खाली, ठेका, आवर्तन की जानकारी।

इकाई–2

पंडित विष्णु नारायण भातखण्डे स्वरलिपि व ताल–लिपिका ज्ञान। शास्त्रीय संगीत, सुगम संगीत, चित्र पट संगीत, और लोक संगीत की संक्षिप्त जानकारी।गायन के परीक्षार्थियों के लिए तानपुरा तथा वाद्य के परीक्षार्थियों के लिए अपने–अपने वाद्य का सामान्य परिचय तथा उनके विभिन्न अवयवों का सचित्र ज्ञान।

इकाई–3

पंडित विष्णु दिगम्बर पलुस्कर, पंडित विष्णुनारायण भातखण्डे, राजा मानसिंह तोमर, स्वामी हरिदास, एवं तानसेन का जीवन परिचय तथा संगीत के क्षेत्र में उनका योगदान।

इकाई–4

बिलावल एवं कल्याण थाट में अलंकारों का लेखन। त्रिताल, दादरा एवं कहरवा तालों का परिचय एवं ठाह सहित ताल–लिपि में लेखन।

प्रदर्षन :–

उद्धेष्य –स्वरो का प्रारम्भिक अभ्यास, अलंकारा का गायन एवं वादन, अलंकारों का अभ्यास।

(अ) गायन के परीक्षार्थियों के लिए–बिलावल एवं कल्याण थाटा में 10–10 अलंकारों का गायन।
(ब) स्वरवाद्य के परीक्षार्थियों के लिए–बिलावल एवं कल्याण थाट में 10–10 अलंकारों का वादन।
(स) राग यमन, बिलावल/अल्हैया बिलावल एवं भूपाली राग में एक–एक मध्यलय ख्याल, सरगम गीत, लक्षणगीत (तीन आलाप एवं तीन तानों सहित)।
(द) पाठ्यक्रम के निम्नलिखित तालों का ताली देकर प्रदर्षन– त्रिताल, दादरा, कहरवा।
संदभग्रन्थ–

1. संगीत जलि भाग 1
2. राग परिचय भाग 1